दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन मुरादाबाद से प्रकाशित

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

बर्ष :-04
अंक:-317
मुरादाबाद
10 March 2025
(Monday)
पृष्ठ:-08
मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी से मिले CM योगीरू यूपी BJP अध्यक्ष और मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा, महाकुंभ पर भी बात; एक घंटे तक मंथन

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर पहुंची। दिल्ली दौरे के दूसरे दिन सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। करीब एक घंटे तक दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई। प्रधानमंत्री मोदी के साथ सीएम योगी की यूपी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर चर्चा हुई। इसके साथ ही यूपी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भी बात हुई है। इसके साथ ही सीएम योगी ने महाकुंभ के सफल आयोजन को लेकर भी बात की। मेरठ के सलावा में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके बनने से मेरठ और आसपास के जिलों के खिलाड़ियों को बहुत लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को सरधना के सलावा गांव पहुंचे और यहां बन रहे मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का मौका मुआयना किया। उन्होंने अफसरों को काम में तेजी लाने के निर्देश दिएसीएम योगी दोपहर ठीक 1.55 बजे हेलीकॉप्टर से पहुंचे। इस दौरान सलावा गांव के सभी रास्ते पूरी तरह से सील कर दिए गए। चाक चौबंद सुरक्षा के बीच जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई थी। मीडिया को भी रोक दिया गया। कई पार्टी पदाधिकारी और नेताओं के काफिले को भी नहीं जाने दिया गया। निरीक्षण के बाद उन्होंने अस्थायी रूप से बनाए गए कार्यालय में अफसरों के साथ बैठक की और निर्माण की प्रगति को जाना। अफसरों का कहना है कि मुख्यमंत्री ने काम में तेजी के निर्देश दिए हैं।

मेरठ पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ, खेल विश्वविद्यालय का किया निरीक्षण, काम में तेजी लाने के दिए निर्देश

सीतापुर में पत्रकार की हत्या: राघवेंद्र बाजपेयी की पत्नी ने डीएम को दिया मांग पत्र, परिजन हुए आक्रोशित

सीतापुर में पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी की पत्नी ने जिला प्रशासन को मांग पत्र सौंपते हुए आर्थिक मदद देने की मांग की है। परिजनों ने प्रशासन पर मांगे न मानने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया और फिर मान गए।

पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी के परिजनों ने जिलाधिकारी को संबोधित चार सूत्रीय मांग पत्र एडीएम को सौंपा है। इसमें घटना में शामिल हत्यारोपियों की गिरफ्तारी व कठोरतम कार्रवाई, मृतक आश्रितों को 1 करोड़ की आर्थिक सहायता, पत्नी को योग्यतानुसार नौकरी व बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था की मांग की है। राघवेंद्र की शनिवार को दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।वहीं, रविवार सुबह से ही महोली आवास पर जनप्रतिनिधि परिजनों को ढांढस बंधाने पहुंचे। इसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा रेखा वर्मा, अवध क्षेत्र प्रभारी कमलेश मिश्र, विधायक महोली शशांक त्रिवेदी, एडीएम नीतीश सिंह अन्य शामिल रहे।परिजनों ने इससे पूर्व जिला प्रशासन पर मांगों को न मानने का आरोप लगाकर हंगामा किया। उन्होंने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन की बात कही। हालांकि, एडीएम व जनप्रतिनिधियों के समझाने पर परिजन माने और मांगपत्र दिया।

संक्षिप्त समाचार

संत प्रेमानंद 10 मार्च से होली तक नहीं देंगे दर्शन, आश्रम से नया अपडेट

होली के कारण संत प्रेमानंद महाराज की पदयात्रा को स्थगित किया गया है। आश्रम की अपील है कि 10 मार्च से 14 मार्च तक भक्त दर्शन के लिए न आएं।वृंदावन में होली महापर्व और पूज्य प्रेमानंद महाराज जी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए 10 मार्च से 14 मार्च तक उनकी पदयात्रा को स्थगित कर दी गई है। श्री हित राधा केलि कुंज परिकर, श्रीधाम वृंदावन की ओर से यह आधिकारिक सूचना जारी की गई है।भक्तों से आग्रह किया गया है कि वे उक्त दिनों में दर्शन के लिए यात्रा न करें। होली के कारण वृंदावन की सड़कों पर अत्यधिक भीड़ रहने की संभावना है, जिससे प्रशासन के लिए व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होगा। इसी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।आश्रम प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से सहयोग और संयम बनाए रखने की अपील की है और कहा है कि होली के बाद यात्रा की नई तिथियों की जानकारी दी जाएगी।

अगरतला में बोले नड्डा– हम अंत्योदय के लिए काम करते हैं; ओडिशा के पूर्व मंत्री अनंत दास का निधन

त्रिपुरा के अगरतला में केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, %त्रिपुरा की जनता बार-बार कमल को और प्रधानमंत्री मोदी और माणिक साहा के नेतृत्व को आशीर्वाद देती है क्योंकि हम जनता के सेवक हैं, हम लोगों की चिंता करते हैं..., और हम अंत्योदय के लिए काम करते हैं। हमारी नीतियां सिर्फ कागजों पर नहीं हैं, हमारी नीतियां सचिवालय की फाइलों तक सीमित नहीं हैं, हमारी नीतियां त्रिपुरा की धरती पर आम आदमी को लाभ पहुंचाने के लिए हैं। हमारा लक्ष्य सत्ता नहीं बल्कि सेवा है%।जादवपुर यूनिवर्सिटी को लेकर भड़के शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी कहते हैं, यहां इतनी बड़ी, मशहूर यूनिवर्सिटी (जादवपुर यूनिवर्सिटी) है लेकिन यहां पढ़ाई के अलावा सब कुछ हो रहा है। टुकड़े-टुकड़े गैंग, कश्मीर मांगे आजादी, रैगिंग, ड्रग्स, सब कुछ चलता है। सीपीएम, टीएमसी मिलकर सब कुछ कर रही हैं। बीजेपी इसका विरोध कर रही है। यूनिवर्सिटी में पढ़ाई होनी चाहिए। गुजरात में दो मेडिकल इंटर्न पर हमले में चार छात्र निलंबित गुजरात के भावनगर स्थित एक सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के दो इंटर्न को उनके कुछ सहपाठियों और एक सीनियर ने कथित तौर पर बंधक बनाया और उन पर हमला भी किया। इस मामले में दो एफआईआर दर्ज की गई है। मेडिकल कॉलेज ने इसे रैगिंग मानते हुए चार छात्रों को निलंबित कर दिया है। पुलिस ने कहा कि दो इंटर्न और उनके एक दोस्त को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इंटर्न ईशान कोटक और अमन जोशी की तरफ से दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है कि उनके साथ मारपीट इसलिए की गई क्योंकि साथी छात्र उनकी तरफ से सोशल मीडिया पर साझा किए गए जोक्स से नाराज थे। इंटर्न छात्रों का कहना है कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। गोवा में ड्रग्स की सबसे बड़ी जब्ती= 11.67 करोड़ की हाइड्रोपोनिक वीड के साथ एक गिरफ्तार गोवा में शनिवार को एक व्यक्ति को 11.67 करोड़ रुपये की कीमत के हाइड्रोपोनिक वीड के साथ गिरफ्तार किया गया। अपराध शाखा के अधिकारियों ने कहा कि यह गोवा के इतिहास में ड्रग्स की सबसे बड़ी जब्ती है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि व्यक्ति को पणजी और मापुसा शहरों के बीच स्थित गुरिम गांव से गिरफ्तार किया गया। हमने उसके पास से 11.67 करोड़ रुपये की कीमत का 11.672 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड जब्त किया है। उस पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने गोवा में अब तक के सबसे बड़े ड्रग भंडाफोड़ के लिए क्राइम ब्रांच गोवा पुलिस को बधाई दी। कहा, यह हमारे राज्य को ड्रग-मुक्त रखने में हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अथक प्रयासों का प्रमाण है। मेघालय = वायुसेना ने उमियम झील पर किया युद्ध प्रशिक्षण- भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने शनिवार को मेघालय के शिलांग में उमियम झील पर युद्ध प्रशिक्षण अभ्यास किया। इस अभ्यास में सेना के विशेष बलों और नौसेना के साथ अंतर-संचालन को बढ़ाने के लिए कई विमान, हेलिकॉप्टर, पैरा जंपर्स और विशेष ऑपरेशन का प्रदर्शन किया गया। प्रशिक्षण अभ्यास में एएन-32 और सी-130 विमानों का उपयोग करके कॉम्बैट रबराइज्ड रेडिंग क्राफ्ट ड्रॉप्स, पैरा जंप और हेलोकास्टिंग (विमान से पानी में कूदना) शामिल था। इस अभ्यास को शिलांग में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों ने भी देखा। आईएएफ ने सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रशिक्षण का विवरण और तस्वीरें साझा कीं। तेलंगाना: छात्रावास में चार्जर में मिला गुप्त कैमरा, जांच शुरू तेलंगाना के संगारेड्डी जिले स्थित एक निजी महिला छात्रावास में गुप्त कैमरा मिलने से आक्रोश फैल गया। पुलिस ने बताया कि यह घटना अमीनपुर इलाके में स्थित छात्रावास की है। मामले की जांच शुरू कर दी है। मालदीव जा रहे जहाज से 33 करोड़ का हशीश तेल जब्त, नौ गिरफ्तार- भारतीय तटरक्षक बल और डीआरआई ने मालदीव जा रहे एक जहाज से 33 करोड़ रुपये का हशीश तेल जब्त किया और उसके चालक दल के नौ सदस्यों को तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। रक्षा विभाग ने एक बयान में कहा, खुफिया सूचना के आधार पर पांच मार्च को तटरक्षक बल (आईसीजी) व राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मिलकर अभियान चलाया। आईसीजी ने संदिग्ध जहाज का पीछा किया और मन्नार की खाड़ी के दक्षिण में उसे रोक लिया।

रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की बढ़ीं मुश्किलें... पत्नी की शिकायत पर FIR

रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ दिल्ली के सफदरजंग एंक्लेव थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।उत्तर प्रदेश के नेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ दिल्ली के सफदरजंग एंक्लेव थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। राजा भैया पर की पत्नी भानवी सिंह ने प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था और पत्नी की शिकायत पर राजा भैया के खिलाफ यह एफआईआर दर्ज हुई है। जानकारी के मुताबिक, राजा भैया ने अपने पति के साथ शिकायत दर्ज में गंभीर आरोपों के कराई है। उन्होंने पति पर शारीरिक और मानसिक क्रूरता का आरोप लगाया है। भानवी का आरोप है कि राजा भैया ने उन्हें वर्षों तक शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया है। भानवी सिंह ने अपनी शिकायत में कहा कि लगातार मारपीट के कारण उनके शरीर के अंग क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। उनकी जान को खतरा है। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग और दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में शिकायत दर्ज कराई थी। राजा भैया और उनकी पत्नी भानवी सिंह का तलाक का केस अभी कोर्ट में चल रहा है। राजाभैया और उनकी पत्नी के बीच कलह की बात कई वर्षों से चल रही थी लेकिन यह मामला सार्वजनिक तब हो गया जब भानवी सिंह ने राजाभैया के बेहद करीबी एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह पर धोखाधड़ी और जालसाजी सहित कई संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजाभैया की शादी साल 1995 में बस्ती राजघराने की राजकुमारी भानवी सिंह के साथ हुई थी। शादी के समय राजाभैया की उम्र करीब 25 साल जबकि भानवी 20 वर्ष की थी। दोनों को चार बच्चे हैं। कुछ वर्षों से दोनों के रिश्ते के बीच खटास आनी शुरू हो गई थी और राजाभैया से अलग होकर भानवी सिंह दिल्ली स्थित अपने आवास पर रहने लगी थीं। राजा भैया और उनकी पत्नी भानवी के बीच रिश्तो में दरार पड़ गई। कई रिश्तेदारों ने रिश्ते को जोड़ने के लिए मध्यस्थता की भी कोशिश की, लेकिन राजा भैया और उनकी पत्नी के बीच बात नहीं बन पाई। प्रतापगढ़ के कुंडा बेती निवासी रघुराज प्रताप उर्फ राजा भैया का उत्तर प्रदेश की सियासत में बड़ा दबदबा है। राजा भैया 1993 से लगातार 7वीं बार कुंडा विधानसभा से निर्दलीय विधायक चुने गए हैं। राजा भैया बेती और भदरी राजमहल के राजकुमार भी हैं। राजा भैया यूपी सरकार में जेल और खाद्य मंत्री भी रहे हैं।

सीएम योगी के आवास पर तैनात पीएसी सिपाही की बरेली में मौत, रेलवे ट्रैक पर मिला शव

सीएम आवास पर तैनात पीएसी सिपाही की बरेली में मौत हो गई। रविवार को उसका शव रेल ट्रैक पर पड़ा मिला। पुलिस घटना की जांच कर रही है। बरेली के मीरगंज थाना क्षेत्र में रविवार सुबह गूला रेलवे फाटक के पास बरेली-मुरादाबाद रेलवे ट्रैक पर एक शख्स का शव पड़ा मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर जाकर जांच की। शव के पास एक मोबाइल मिला जो लॉक था। थोड़ी देर बाद उस पर कॉल आई तो पता चला कि मरने वाला शख्स 47 बटालियन एच दल पीएससी गाजियाबाद का सिपाही अंकुर कुमार है। अंकुर पुत्र राकेश कुमार निवासी गांव मनोरा थाना सिखेड़ा जिला मुजफ्फरनगर का रहने वाला था। इंस्पेक्टर मीरगंज प्रयागराज सिंह के मुताबिक अंकुर सीएम योगी के आवास पर लखनऊ में ड्यूटी कर रहा था। वह ट्रेन मे सफर करते गिरा या फिर उसके साथ कोई साजिश की गई है, इन बिंदुओं पर जांच की जा रही है। इंस्पेक्टर ने बताया कि प्राप्त मेमो के आधार पर पंचायतनामा की कार्रवाई की गई है। सिपाही के परिजनों को सूचित कर दिया गया। उनके यहां आने पर ही ज्यादा जानकारी हो सकेगी।

संपादकीय Editorial

They are pro-Khalistan!

The lapse in the security of India's Foreign Minister S. Jaishankar in London is not a normal incident. One cannot remain silent and cannot tolerate it, so this is a condemnable incident. Anything could have happened! The pro-Khalistan person who jumped up to the convoy of the Foreign Minister could have also attacked in a planned manner! This is definitely the negligence of the British police. That Khalistani extremist also insulted the Indian flag 'tricolour'. The question is why were Khalistan supporters allowed to protest with their alleged flag near the place where the Foreign Minister was holding a meeting? Has the attitude of the British government and police become more liberal and flexible towards such separatist elements? If this security lapse had happened in India in the context of a foreign minister or representative, then the Western and European countries would have raised a hue and cry! The question and curiosity is also that why are the supporters of Khalistan so autocratic and active in countries like America, Britain, Canada, Germany and Australia?

This is not the first incident. In March 2023, the 'tricolour' was removed from the Indian High Commission. All these countries have been claiming to be friendly countries, strategic partner countries of India and have also been nurturing Khalistani militants and supporters. Is this not hypocrisy? Are these countries ideologically and fundamentally in favor of recognizing 'Khalistan' as a separate country?

If this is the thinking, then it is completely anti-India. This thinking will not be resolved only by diplomacy or by summoning the High Commissioner or Ambassador of the concerned country and showing one's bitterness. There should be a bilateral dialogue at the level of the Prime Minister and the Foreign Minister that supporting Khalistan is not acceptable. These countries will have to change the definitions of democracy and human rights, more or less in the context of India. Don't these countries know how long India fought against Khalistani extremists and crushed them and after so many sacrifices there is an atmosphere of peace and stability in India and Punjab today? It is worth mentioning that the government of Indian-origin British Prime Minister Rishi Sunak had taken several steps to crack down on Khalistanis. The task force was given a fund of Rs 1 crore so that the government could understand the dangers posed by pro-Khalistan extremism.

Their online and offline fund raising was also monitored. The Sunak government worked actively with the Sikh community so that gurudwaras and charitable organizations could not be used for fund raising. Now there is a Labour Party government under the leadership of Prime Minister Keir Starmer. Their attitude towards Khalistanis has been soft. In the last two years, the Starmer government did not give any new funds to the task force, so it has become inactive and is on the verge of closure. The monitoring of extremists that was being done has also become lax. British Home Secretary Cooper had presented a report, but it only mentioned Khalistan supporters, there was no mention of action against them. There is no clear policy regarding Khalistan, so the officials are also hesitant to take action against such elements. However, our Foreign Minister did make this important announcement - 'I think what we are waiting for is the return of the stolen part of Kashmir.'

Balance will have to be achieved in delimitation, southern states are opposing

In the new delimitation, it will have to be ensured that equal care is taken of the seriousness towards development along with the growing population. The southern states are apprehensive that their efforts for population control may be sabotaged by the new delimitation. For this reason, the voices of protest have also started becoming vocal in these states. Apart from the debate of North-South division, there are other challenges in the possible delimitation. The scale of representation in the Parliament of the world's largest democracy is still stuck on the 1971 census. The logic behind this was to protect the states that have been successful in population control from possible loss at the level of political representation. However, this deadline is ending in 2026 and now a new delimitation is proposed. The debate has also started regarding this. The southern states are apprehensive that their efforts for population control may be sabotaged by the new delimitation. For this reason, the voices of protest have also started becoming vocal in these states. Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin has in a way taken charge of this campaign. Other southern states are also joining him in his voice as they are apprehensive about the dominance of North India. To pacify such voices, Home Minister Amit Shah has also assured that the interests of the southern states will not be harmed in the delimitation. The Indian Constitution had envisaged an electoral process in which each MP represents more or less equal number of people. Articles 81, 82 and 170 (3) of the Constitution provide that the seats should be delimited afresh from time to time in which the trend of population change can be adjusted as required. At present, the electoral map of India is stuck on the 1971 census, when there was not as much difference in the population of Uttar Pradesh and Tamil Nadu as it is today. The population of Uttar Pradesh is now more than 24 crores, which is almost double that of Tamil Nadu, but its Lok Sabha seats are still at the 1971 level. Is this fair? If the current population becomes the criterion for delimitation, then it is certain that the Lok Sabha seats in states like Uttar Pradesh, Bihar, Madhya Pradesh and Rajasthan will increase significantly. Whereas the seats in Tamil Nadu, Kerala, Karnataka and Andhra Pradesh will decrease relatively. Naturally, this will be a loss deal for the southern states. They will feel that they are being punished despite better governance. For decades, they have invested heavily in education, health and family planning efforts, which have curbed population growth. Meanwhile, the birth rate remains high in many northern states. Despite this, their political power will increase. Then the question will arise whether incompetence is rewarded in democracy? Anyway, the regional satraps are presenting the issue of delimitation as their struggle for a federal structure. Tamil Nadu and Kerala argue that the criterion for representation should not be only population but also development achievements and economic contribution. It is surprising that at this time such voices are silent, which keep singing the tune of 'whoever has more share, he gets more share'. It is clear that their slogan of 'as much population, so much right' is also linked to opportunistic politics. Apart from the debate on North-South divide, there are other challenges in the way of possible delimitation. One such issue is the adjustment of seats reserved for SC-ST. Demographic changes should be reflected in their representation, but it is very difficult to ensure this. Care has to be taken that political equations do not get disturbed in this exercise. Another challenge will be at the level of urban-rural imbalance. Due to rapid urbanization, the population of cities like Delhi, Mumbai and Bengaluru has increased a lot, but their representation in Parliament has not changed. Should not urban centers get more seats due to their economic importance or should rural representation be protected and ensured that their voice does not weaken in the political corridors? Large scale migration to cities has made the situation more complex. Many cities have a large population of displaced workers. These workers work in the cities, but most of them vote in their native places. In such a situation, whether the delimitation is based on the total population or the number of registered voters, this aspect will also play an important role in balancing power between different regions. One of the possible solutions being suggested on the delimitation scenario is that the old system should be maintained for the next 30 years, so that the states which have been successful in population control do not have to suffer any loss. However, this will create the anomaly where some MPs will continue to represent a much larger population than their other colleagues. One solution could also be to increase the number of Lok Sabha seats. This will also give proper representation to the population without reducing the number of seats in any region. This will also not provoke discontent in any region. Some experts are also advocating giving importance to factors like GDP contribution, literacy rate and governance efficiency in delimitation. However, this will be quite complex and it is possible that the political class in the northern states will oppose it. Delimitation is a sensitive issue, which requires a holistic approach to resolve. It will have to be ensured that all the states and major stakeholders agree on an acceptable compromise with active participation, in which A balance can be achieved between representation, governance and regional interests. A balance in which the seriousness towards development is taken care of equally, from the growing population. In that, no one sees himself on the political margins and equal democratic participation is possible. This issue has to be handled seriously, because delimitation will not only increase democratic purity but will also be a symbol of the importance of each vote and respect for federal principles.

Britain's cover-up, strict action should be taken against Khalistan supporters

During the visit of India's Foreign Minister S. Jaishankar to Britain, Khalistan supporters created a ruckus in London in front of him. Britain just criticized it and considered its duty done. Whereas what should have happened is that Britain should take strict action against Khalistan supporters. At the same time, India should also express its anger by raising this matter in a strong manner. It is not surprising that the Indian Foreign Ministry did not like the British government's explanation on the ruckus created by Khalistan supporters in London in front of Foreign Minister S. Jaishankar and the insult of the Indian flag, but India should not limit itself to expressing dissatisfaction. It should force Britain to take strict action against such anti-India activities. This is necessary because such incidents have happened before and it is not hidden from anyone that Britain has every time condemned and criticized and considered its duty done. There are good reasons to believe that the British government is turning a blind eye to the anti-India activities of Khalistan supporters active in London for political reasons. For this reason, their audacity is increasing. In the past, they have tried to attack the Indian High Commission and the Indian High Commissioner who had visited the Gurudwara. Apart from this, they keep insulting the Indian flag in public from time to time and also keep threatening British Sikhs who raise their voice against their evil. The reason for this is that Britain is not ready to deal with them strictly. India rightly said that the pro-Khalistan elements know that the British government will not do anything against them. If Britain keeps giving silent support to the pro-Khalistan elements, then India should not hesitate to go to the extent of postponing the talks related to the free trade agreement. Along with this, it should identify the pro-Khalistan elements and cancel their OCI i.e. Overseas Citizen of India cards and ban them from coming to India. Apart from this, their properties in India should also be confiscated. Such action should also be taken against the pro-Khalistan elements living in Australia, Canada etc., because like Britain, they are unbridled in these countries too. They have targeted many Hindu temples in Canada and Australia. India has to understand that Western countries take its resentment lightly and are deliberately ignoring the supporters of Khalistan. Only when India sends a message to these countries through its strict action that it is not ready to tolerate the activities of Khalistani extremists, will they be ready to abandon their whitewashing attitude. India has to take seriously the Khalistani extremists active abroad because their aggression is increasing. They are trying to increase their economic strength by organizing themselves. Their activities can spoil the atmosphere in India and especially in Punjab in the future. Before the situation worsens, India has to be active.It is not surprising that the Indian Foreign Ministry did not like the British government's explanation on the ruckus created by Khalistan supporters in London in front of Foreign Minister S. Jaishankar and the insult of the Indian flag, but India should not limit itself to expressing dissatisfaction. It should force Britain to take strict action against such anti-India activities. This is necessary because such incidents have happened before and it is not hidden from anyone that Britain has every time condemned and criticized and considered its duty done. There are good reasons to believe that the British government is turning a blind eye to the anti-India activities of Khalistan supporters active in London for political reasons. For this reason, their audacity is increasing. In the past, they have tried to attack the Indian High Commission and the Indian High Commissioner who had visited the Gurudwara. Apart from this, they keep insulting the Indian flag in public from time to time and also keep threatening British Sikhs who raise their voice against their evil. The reason for this is that Britain is not ready to deal with them strictly. India rightly said that the pro-Khalistan elements know that the British government will not do anything against them. If Britain keeps giving silent support to the pro-Khalistan elements, then India should not hesitate to go to the extent of postponing the talks related to the free trade agreement. Along with this, it should identify the pro-Khalistan elements and cancel their OCI i.e. Overseas Citizen of India cards and ban them from coming to India. Apart from this, their properties in India should also be confiscated. Such action should also be taken against the pro-Khalistan elements living in Australia, Canada etc., because like Britain, they are unbridled in these countries too. They have targeted many Hindu temples in Canada and Australia. India has to understand that Western countries take its resentment lightly and are deliberately ignoring the supporters of Khalistan. Only when India sends a message to these countries through its strict action that it is not ready to tolerate the activities of Khalistani extremists.

किराया कम न करने पर व्यापारियों ने शुरू की अनिश्चितकालीन हड़ताल, नहीं मनाएंगे होली

मुरादाबाद- नगर निगम द्वारा बढ़ाए गए दुकानों के किराए को लेकर व्यापारियों का विरोध कम होने का नाम नहीं ले रहा है। जिसको चलते रविवार से व्यापारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। इसके अलावा व्यापारियों ने चेतावनी दी है कि वह इस बार होली नहीं मनाएंगे। नगर निगम द्वारा टाउन हॉल और बुध बाजार की दुकानों का किराया बढ़ाया गया है। किराए में की गई बढ़ोतरी के खिलाफ व्यापारी पिछले काफी दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले दिनों व्यापारियों ने इसके विरोध में अपनी दुकान भी बंद कर दी थी। लेकिन, बातचीत के बाद व्यापारी दुकानें खोलने के लिए राजी हो गए थे। रविवार से व्यापारियों ने एक बार फिर से आंदोलन शुरू कर दिया है। व्यापारियों का कहना है कि जब तक नगर निगम दुकानों के किराए में की गई बढ़ोतरी को कम नहीं करेगा तब तक हम लोग अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे। व्यापारियों ने धमकी दी है कि अगर जल्द ही दुकानों का किराया कम नहीं किया गया तो वह लोग इस बार होली नहीं मनाएंगे।

इंटर करने के बाद 1992 में बरेली पहुंचा था उल्फत, आतंकी ट्रेनिंग लेकर फिर 2000 में मुरादाबाद आया

जम्मू कश्मीर के पूंछ जिले के सूनकोट अंतर्गत गांव फजलाबाद निवासी उल्फत हुसैन उर्फ सैफल इस्लाम उर्फ अफजाल उर्फ परवेज उर्फ हुसैन मलिक ने 1987 में हाईस्कूल, 1991 में इंटर पास किया। 1992 में बरेली एक मदरसे में पहुंच गया। जहां पर दीनी तालीम हासिल की। एक साल यहां पर रुकने के बाद आतंकी रामपुर के पुराना गंज स्थित मदरसे में पहुंच गया। यहां पर तालीम हासिल करने के साथ-साथ बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। तीन साल तक आतंकी मदरसे में रहा। वर्ष 1995 में असालतपुर स्थित हाफिज वाली मस्जिद में पहुंच गया। यहां पर आकर यह मौलाना बन गया। युवाओं को दीनी तालीम हासिल करने के लिए प्रेरित करने लगा। धीरे-धीरे लोगों को संपर्क होना शुरू हुआ।उस दौर में जम्मू कश्मीर में पंचायत चुनाव शुरू हो गए जहां उसके पिता ने पंचायत चुनाव लड़ा और जीतकर सरपंच बन गया। जानकारी पर उल्फत अपने गांव पहुंच गया। कुछ सालों तक गांव में रहने के बाद आतंकी ट्रेनिंग लेने के लिए 1999 में पाक अधिकृत कश्मीर में पहुंच गया। एक साल तक ट्रेनिंग ली और हिजबुल मुजाहिदीन आतंकी संगठन में शामिल होकर वापस देश में आकर 2000 में मुरादाबाद पहुंच गया। फिर से उसी मस्जिद में पहुंचकर मौलाना बन गया। इस दौरान उसकी मुलाकात नागफनी थाना क्षेत्र के झब्बू का नाला, मूंढापांडे के सद्दू नगला, मझोला जयंतीपुर व रामपुर निवासी युवक से हुई थी। चारों को भी हिजबुल आतंकी संगठन में शामिल करा दिया। इसी बीच इसने रिजवान हैदर और जफर आलम को भी सीमा पार भेजकर छह माह की ट्रेनिंग दिला थी। ट्रेनिंग लेने के बाद दोनों युवा आतंकी बने तो वह अपने साथ हथियार, गोला बारूद लेकर मुरादाबाद पहुंच गए। इसके बाद इन्होंने हथियार और गोला बारूद रखने के लिए उत्तराखंड के रामनगर में एक कमरा किराये पर ले लिया। उसी कमरे में हथियार और गोला बारूद एकत्र किया, जो बरामद हुआ था। इस बीच कटघर पुलिस को इनकी गतिविधियों की जानकारी मिल गई। पुलिस इनके पीछे लगी तो नौ जुलाई 2002 को उल्फत हुसैन उर्फ मुहम्मद सैफल इस्लाम को उसके तीन साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया। वर्ष 2008 में उल्फत हुसैन उर्फ मुहम्मद सैफल इस्लाम को जमानत मिल गई। जमानत मिलने के बाद जेल से रिहा हुआ और सीधे जम्मू कश्मीर में पहुंच गया। वहां पर रहकर तभी से आतंकी गतिविधियों को संचालित कर रहा था। अपने साथ मुरादाबाद मंडल के युवाओं को जोड़ने के लिए 17 साल में दो बार मुरादाबाद पहुंचा। इस बीच आतंकी कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ। 7 जनवरी वर्ष 2015 को कोर्ट ने इसकी गिरफ्तारी के लिए स्थायी वारंट जारी किया, लेकिन फिर भी यह हाथ नहीं लगा। उधर, सहारनपुर की एटीएस टीम लगातार इसकी तलाश में लगी थी। अब एटीएस को इनपुट मिला की वह अपने गांव में है। इस दौरान एसएसपी सतपाल अंतिल ने आतंकी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया। पांच मार्च को एक बार फिर कोर्ट से स्थायी वारंट जारी हुआ। शुक्रवार को एटीएस और कटघर पुलिस आतंकी के गांव में पहुंच गई। उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

कोर्ट ने 2015 में जारी किया था वारंट, फरारी के दौरान आतंकियों के संपर्क में रहा उल्फत हुसैन

साल 2008 में जमानत मिलने के बाद फरार हो गया था आतंकी उल्फत हुसैन, उल्फत समेत मूंढापांडे, नागफनी, रामपुर व मझोला क्षेत्र के अन्य साथियों को किया था गिरफ्तार

मुरादाबाद- 17 साल से फरार चल रहे पाकिस्तानी आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन के सक्रिय सदस्य रहे उल्फत हुसैन उर्फ सैफुल इस्लाम को एटीएस और कटघर पुलिस की संयुक्त टीम ने जम्मू कश्मीर स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने साल 2015 में उसके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। 5 दिन पहले ही एसएसपी ने उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था। आरोपी उल्फत हुसैन और उसके साथियों को कटघर पुलिस ने 2002 में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। 6 साल जेल में रहने के बाद 2008 में जमानत पर बाहर आया और फरार हो गया। जिसके बाद से एटीएस और कटघर पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि कटघर थाने के तत्कालीन एसएचओ किशन सिंह तालान की टीम ने 9 जुलाई 2008 में महानगर के गलशहीद थाना क्षेत्र में असालतपुरा में रहने वाले जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले के सूरनकोट थाना क्षेत्र के गांव फजालाबाद निवासी उल्फत हुसैन उर्फ सैफुल इस्लाम के साथ ही मूंढापांडे के सक्टूनगला निवासी युवक, नागफनी थाना क्षेत्र के डिप्टी गंज झब्बू का नाला निवासी युवक, रामपुर के मिलक खानम थाना क्षेत्र के गांव कुंवरपुर नानकार निवासी युवक को गिरफ्तार कर आतंकी माड्यूल का खुलासा किया था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने उस समय मुरादाबाद और उत्तराखंड के रामनगर स्थित किराये के मकान से भारी मात्रा में असलहा, गोलाबारूद और विस्फोटक बरामद किया था। इनकी गिरफ्तारी के दो दिन बाद 11 जुलाई 2002 को इनके पांचवें साथी नदीम को मझोला के जयंतीपुर स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया था। पांचों ने उस समय स्वीकार किया था कि धार्मिक स्थल और भीड़भाड़ वाले इलाके में बड़ी आतंकी घटना की तैयारी में जुटे थे। उस गिरफ्तारी के 6 साल बाद 2008 में मुख्य आतंकी आरोपी उल्फत हुसैन उर्फ सैफुल इस्लाम जमानत पर जेल से बाहर आने के बाद से फरार हो गया था। उसके बाद वह कभी कोर्ट में पेश नहीं हुआ। लगातार फरार रहने के कारण 7 जनवरी 2015 को एसीजेएम-14 की कोर्ट ने उसके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी कर फरार घोषित कर दिया था। तभी से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। पांच मार्च 2025 को कोर्ट ने एक बार फिर आरोपी उल्फत हुसैन उर्फ सैफुल इस्लाम के खिलाफ वारंट जारी किया। एसएसपी के उसके ऊपर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर दिया था। पुलिस टीम के साथ एटीएस लखनऊ की सहारनपुर फील्ड यूनिट की टीम आतंकी उल्फत हुसैन की तलाश में जुटी थी। एसपी सिटी ने बताया कि शुक्रवार को लगभग तीन बजे एटीएस और कटघर पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपी आतंकी उल्फत हुसैन उर्फ सैफुल इस्लाम को जम्मू कश्मीर स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को मुरादाबाद लाकर उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। भारी मात्रा में बरामद हुआ था असलहा और विस्फोटक- कटघर पुलिस टीम ने साल 2002 में जब आतंकी उल्फत हुसैन उर्फ सैफुल इस्लाम और उसके साथियों को गिरफ्तार किया था तो बड़ी मात्रा में असलहा और विस्फोटक बरामद किया था। पुलिस रिकार्ड के अनुसार उस समय आरोपियों के पास से एक एके-47, एक एके-56, 30 बोर की दो पिस्टल, 12 हैंड ग्रेनेड, 50 डेटोनेटर, 37 बैट्री, 29 किग्रा विस्फोटक, 560 जिंदा कारतूस और 8 मैगजीन बरामद की गई थी। 2008 में जेल से बाहर आने के बाद से फरार हो गया था आरोपी उल्फत हुसैन- साल 2002 में आतंकी माड्यूल से जुड़े पांच लोगों को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुआ था। पांच आरोपी जेल भेजे गए थे। जिनमें से मुख्य आरोपी जम्मू कश्मीर का उल्फत हुसैन उर्फ मोहम्मद इस्लाम जमानत पर 2008 में जेल से बाहर आने के बाद से फरार हो गया था। उसके ऊपर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। 17 साल बाद एटीएस सहारनपुर की फील्ड यूनिट और कटघर थाना पुलिस ने आरोपी उल्फत हुसैन को उसके घर जम्मू कश्मीर से गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है। कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी फरारी के दौरान आतंकियों के संपर्क में रहा उल्फत हुसैन- आतंकी उल्फत हुसैन साल 2008 में मुरादाबाद कोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से छूटा और अपने गांव पहुंच गया था। गांव में उसने आरा मशीन खोलने के साथ ही परचून की दुकान भी खोल रखी थी। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि वह अभी भी पड़ोसी देशों के आतंकी संगठनों के संपर्क में था। इसके निशाने पर देश के कई धार्मिक स्थल और बड़े शहर थे। लेकिन वह गांव में सीधा सादा बनकर रह रहा था कि गांव वाले भी उसके मंसूबे को नहीं भाप पाए थे। पता चला कि फरारी के दौरान ही उसने साल 2013 में अपने गांव फजलाबाद में किसी से गंभीर मारपीट भी की थी, जिसका मुकदमा पुंछ जिले के सूरनकोट थाने में दर्ज है। उल्फत ने कर रखी है तीन शादी, पत्नी ने किया था बचाने का प्रयास- पुलिस के अनुसार 17 साल बाद गिरफ्त में आए आतंकी उल्फत हुसैन ने तीन शादियां कर रखी हैं। तीनों को अलग-अलग मकान पर रख रखा है। शुक्रवार को तीन बजे जब एटीएस सहारनपुर और कटघर पुलिस की टीम उसके घर दबिश देने पहुंची तो उसकी पत्नी ने उसे बचाने की कोशिश की। वह पुलिस से धक्कामुक्की भी करनी लगी थी। हालांकि पुलिस टीम उल्फत को खींच कर ले आई।

संक्षिप्त समाचार

भारत अच्छा खेलेगा और चैंपियंस ट्रॉफी जीतेगा, मोहम्मद शमी के परिजन कर रहे दुआ

यूएई के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आज भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। भारत ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को मात देकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया। 25 साल बाद एक बार फिर यह दोनों टीमें आईसीसी के सीमित ओवर प्रारूप के खिताबी मुकाबले में आमने-सामने हैं। यूएई के दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में फाइनल मैच खेला जा रहा है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह फाइनल मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू हुआ। देश के क्रिकेट फैंस टीम इंडिया की जीत के लिए दुआएं कर रहे हैं। हमें पूरा विश्वास है कि भारत ट्रॉफी जीतेगा% भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की भाभी नूर सबा ने कहा, 卐मुझे उम्मीद है कि शमी अधिक से अधिक विकेट लेंगे और अपने देश और अपने गांव को गौरवान्वित करेंगे। हमें पूरा विश्वास है कि भारत ट्रॉफी जीतेगा। हमने गांव में बड़ी स्क्रीन लगाई हैं और लोग बहुत उत्साहित हैं।मोहम्मद शमी के चचेरे भाई डॉ. फैयाज ने कहा, 卐हमने आज टीम इंडिया के लिए दुआ की है। हमें उम्मीद है कि भारत अच्छा खेलेगा और चैंपियंस ट्रॉफी जीतेगा। मुझे 100त्न यकीन है कि भारत आज जीतेगा।卐भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के चचेरे भाई डॉ. मुमताज ने कहा, 卐हमने दुआ की, हमें उम्मीद है कि भारत अच्छा खेलेगा और आज न्यूजीलैंड को हराएगा। मुझे उम्मीद है कि मोहम्मद शमी अच्छा खेलेंगे।卐 क्रिकेटर मोहम्मद शमी पर मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी के बयान पर उन्होंने कहा, 卐उन्हें ऐसा कुछ नहीं कहना चाहिए था। शमी बिल्कुल भी ध्यान नहीं देंगे। इन सबका उनके प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है।卐बता दें कि यह दूसरी बार है जब भारत और न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में आमने-सामने हैं। इससे पहले साल 2000 में न्यूजीलैंड ने भारत को खिताबी मुकाबले में चार विकेट से हराकर अपना पहला आईसीसी खिताब जीता था। ब्लैक कैप्स उस उपलब्धि को दोहराना चाहेगा, जबकि भारत उस नुकसान का बदला लेने के लिए उत्सुक होगा। तब नैरोबी में खेले गए फाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में छह विकेट गंवाकर 264 रन बनाए थे। कप्तान सौरव गांगुली ने 117 रन, सचिन तेंदुलकर ने 69 रन की पारी खेली थी। जवाब में स्टीफन फ्लेमिंग की न्यूजीलैंड टीम ने 49.4 ओवर में छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया था। क्रिस केयर्न्स ने नाबाद 102 रन और क्रिस हैरिस ने 46 रन की पारी खेली थी। रोजर ट्वोज ने 31 रन और नाथन एसल ने 37 रन बनाए थे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सनातन धर्म सेवा समिति ने डोरा रोड स्थित रामायण वाटिका में वन एवं पर्यावरण विभाग मंत्री के साथ किया भ्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली - सनातन धर्म समिति के सदस्यों द्वारा डोरा रोड रामायण वाटिका में पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया इस मौके पर डॉक्टर अरुण कुमार उनके भाई वकील साहब बरेली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मणिकंदन ए एवं सचिव योगेंद्र कुमार भी मौजूद रहे, उन्होंने जानकारी देते हुए सनातन धर्म सेवा समिति के मीडिया प्रभारी हर्ष अग्रवाल जी ने बताया की सनातन धर्म सेवा समिति द्वारा आज प्रातः रामायण वाटिका की पुष्प प्रदर्शनी एवं वनवास के समय श्री राम प्रभु जहां-जहां से गुजरे उन सब का चित्रण इस रामायण वाटिका में बड़े ही मनोहारी तरीके से किया गया है इस प्रदर्शनी को देखकर बरेली की जनता अवश्य ही लाभान्वित होगी और सनातन के संस्कार और प्रभु राम की वन यात्रा का साक्षात दर्शन देखकर प्रसंचित होगी डॉ अरुण कुमार वन मंत्री ने भी बरेली विकास प्राधिकरण की मेहनत को बहुत सराहा और उपाध्यक्ष महोदय से कहा आपने काफी मेहनत की है बरेली में वास्तव में ऐसे ही पार्क की जरूरत थी इस अवसर पर सनातन धर्म सेवा समिति के अध्यक्ष श्री रमेश चंद्र अग्रवाल एडवोकेट राजीव अग्रवाल मिश्री वाले प्रमोद मित्तल एवं सुभाष अग्रवाल साथ में रहे ।।

पत्रकार की हत्या पर बरेली में पत्रकारों ने शोक सभा कर दी श्रद्धांजलि

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली - सीतापुर जनपद में विगत दिवस हुई पत्रकार की हत्या को लेकर उपजा प्रेस क्लब में एक शोक सभा की गई। जिसमें सभी पत्रकारों ने दुख व्यक्त कर दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि दी।साथ ही मृतक के परिजनों राहत राशि दिलाने की मांग की। शोकसभा में मौजूद पत्रकारों ने इस दुखद घटना की कड़ी निंदा की और प्रदेश सरकार से मांग की कि पत्रकार के हत्यारों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए। शोक सभा के दौरान पत्रकारों ने एक बार फिर पत्रकार सुरक्षा कानून बनाए जाने की मांग को दोहराया। शोकसभा उपजा के अध्यक्ष डॉ. पवन सक्सेना ने कहा कि पत्रकारों पर हो रहे हमले बहुत ही चिंताजनक है। डॉ सक्सेना प्रदेश सरकार से मांग की कि सीतापुर में हुई इस घटना के असलीदोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। इसके अलाव मृतक पत्रकार के परिवार को 2 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि इस संबन्ध में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन डीएम को दिया जाएगा। जिसमे पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने और पत्रकार के परिवार को उचित सहायता देने की मांग प्रमुख रूप से शमिल होगी। सभा मे मौजूद पत्रकारों में डॉ. पवन सक्सेना, मुकेश तिवारी, अनूप मिश्रा, निर्भय सक्सेना, जनार्दन आचार्य, वीरेंद्र अटल, शुभम ठाकुर, सुयोग्य सिंह, अशोक शर्मा, पुत्तन सक्सेना, विजय सिंह, अजय मिश्रा, प्रदीप, सक्सेना, संजीव, यादव, इमरान खान, मोहम्मद शमी, नाजिया अंजुम, शिव शर्मा, सिटिल गुप्ता, राजेश सक्सेना, अशोक शर्मा लोटा मुरादाबादी और दीपक कुमार ने पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की।

खाकी और खादी के संरक्षण में सीतापुर के पत्रकार की गोली मारकर दिन दहाड़े दर्दनाक हत्या- गिरीश कुशवाहा

प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने कहा राघवेंद्र वाजपेई की हत्या लोकतंत्र की हत्या है 48 घंटे का शासन एवं प्रशासन को अल्टीमेटम

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली - लखनऊ प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशनश के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश चंद्र कुशवाहा ने सीतापुर के इमलिया के दैनिक जागरण के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेई की दिनदहाड़े गोली मारकर रेलवे क्रॉसिंग पर की गई क्योंकि उपरोक्त हत्याकांड में सदर की आईटीआई छुपाने के लिए के गले में फंदा लटकाने वाला राघवेंद्र पत्रकार को अपने रास्ते से 11ब्जे बुलाया था उपरोक्त राघवेंद्

हत्या लोकतंत्र की खुलेआम हत्या है तहसीलदार ने अपने ऊपर भ्रष्टाचार जिसमें राजस्व विभाग कई अफसर था जिससे परेशान होकर और उपरोक्त हटाने के लिए अपने आवास पर तहसीलदार से वार्ता करके अपने घर जा रहा था कि रास्ते में बदमाशों ने पहले राघवेंद्र पत्रकार की मोटरसाइकिल कोई टक्कर मारी जब वह जमीन में गिर गए तब गोली मार कर दिनदहाड़े हत्या कर दी सीतापुर हत्याकांड मैं खाकी और खादी की संयुक्त मिली भगत से उपरोक्त पत्रकार की हत्या लोकतंत्र की खुले आम हत्या है इसके बाद भी उत्तर प्रदेश के शासन में बैठे मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव गृह तथा डीजीपी जैसे अफसर अभी तक पत्रकार हत्याकांड जैसी महत्वपूर्ण घटना के बाद भी घटना स्थल पर न पहुंचना बहुत ही दुखद है प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन इसकी निंदा करती है और उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री से मांग करती है उपरोक्त हत्या में सरकार के एक अफसर तहसीलदार का नाम एवं लेखपाल को पूछताछ हेतु पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने की सूचना को गंभीरता से लेते हुए उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक अफसर को सख्त निर्देश देकर घटनास्थल पर मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव ग्रह को भेज कर तत्काल हत्याकांड को गंभीरता से लेकर हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए एवं शहीद पत्रकार के परिजनों को 25 लख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाए तथा शहीद पत्रकार के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिए जाने की मांग सरकार से एसोसिएशन करती है श्री कुशवाहा ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार 24 घंटे 20 जाने के बाद भी हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं की है यह शर्मनाक बात है एसोसिएशन पत्रकारों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं करेगी श्री कुशवाहा ने सरकार से 48 घंटे के अंदर अभी तो को गिरफ्तार किए जाने की मांग की है ।।

इसहाक़ी मस्जिद में कुरआने करीम मुकम्मल रोज़ाना 5 सिपारे सुनारहे थे- मुफ्ती सय्यद मुस्तजाब क़दिरी

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

बरेली - हर साल की तरह इस साल भी इसहाक़ी मस्जिद, कम्पनी बारा. मुरादाबाद में हज़रत मुफ्ती सय्यद मुस्तजाब हुसैन क़दिरी ने नमाज़े तरावीह में कुरआने करीम सुनाया और हज़ारों की तादाद में मुसलमानों ने सुना और छटे रोज़े यह बात भी क़ाबिले ज़क्रि है साथ अगवानपूर काज़ी पुरा, ताजपूर, रामपुर से आकरके कररहे थे। इस मौके पर हाफिज़ सलमान क़ादरी, नाज़मि हमज़ा जमाल इसहाक़ी, अरमान

को कुरआने करीम मुकम्मल हुआ। कह यहां शहर मुरादाबाद के साथ अमरोहा, पाकबड़ा, सम्भल, मुसलमान नमाज़े तरावीह अदा मुरादाबाद के मशहूर नातखां हामिदी, इरफान अशरफी, हाफिज़ इसहाक़ी और हाफिज़ सय्यद बूतुराब हुसैन क़दिरी ने नातिया कलाम पेश किए। हज़रत मुफ्ती सय्यद मुस्तजाब हुसैन क़दिरी ने रमज़ानुल मुबारक कि फजीलत बयान की आपने कहा कह रमज़ानुल मुबारक का हर एक रोज़ा बे पनाह क़ीमती है और इतना क़ीमती है कह अगर किसी बन्दे ने बगैर किसी शरई मजबूरी के एक रोज़ा भी छोड़ दिया तो इस एक रोज़े के बदले में अगर ज़िंदगी भर रोज़ा रखता रहै तो वह रहमतें बरकतें और अजरो सवाब हासिल नहीं करसकता जो रमज़ानुल मुबारक के एक रोज़े में हैं। हज़रत मुफ्ती साहब ने देश की तरक़्क़ी खुशहाली और आपसी भाईचारे के लिए दुआएं कीं और हज़ारों की तादाद में शरीक नमाज़ियों ने आमीन आमीन की सदाएं बुलंद कीं। आखिर में तमाम नमाजियों को और दुआ में शामिल होने वाले तमाम हाज़रीन को शीरनी भी तक़सीम कि गई। इस मौके पर मुरादाबाद की दरगाहों के सजजादगान, व सूफियाए किराम, व शहर के अन्य मुअज़ीज़ लोग मौजूद रहै और हज़रत मुफ्ती साहब को क़ुरआन करीम मुकम्मल करने पर मुबारक बाद पेश की। नमाज़े तरावीह और ख़त्म शरीफ के इन्तेज़ामो एहतेमाम में सज्जादह नशीन व मुतावललली हाजी मौहम्मद इक़बाल इसहाक़ी, अफज़ाल इसहाक़ी, सूफी जमाल इसहाक़ी, कमाल इसहाक़ी, हाजी नदीम इसहाक़ी, रूहे जमाल इसहाक़ी, तारिक इसहाक़ी, बिलाल इसहाक़ी, नासिर मंसूरी, सिराज क़दिरी, मौहम्मद मंसूर, नासिर चौधरी, आलम इसहाक़ी, सालिम इसहाक़ी, अनीस क़दिरी, सईमुद्दीन क़दीरी उर्फ सीमा आदी पेश पेश रहे।

नाम चाहिए तो काम करना होगा - सपा जिलाअध्यक्ष शिवचरन कश्यप

क्यूँ न लिखूँ सच -सत्यम शर्मा

बरेली -2027 के लक्ष्य को अगर भेदना है तो पी.डी.ए चर्चा कार्यक्रम को लक्ष्य बनाकर पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारियों को बूथ स्तर पर काम करना होगा, पार्टी का पद लेकर घर बैठने से काम नहीं चलेगा नाम चाहिए तो काम करना होगा यह हिदायत जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप ने पार्टी की मासिक बैठक में दी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए शिवचरन कश्यप ने कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहनें की नसीहत देतें हुए पी. डी. ए चर्चा कार्यक्रमों को आयोजित करने की पार्टी कार्यालय पर आयोजित ज़िला व महानगर संगठन की मासिक बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप ने व संचालन महासचिव पंडित दीपक शर्मा ने किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा जनता के सम्पर्क में रहनें के लिए पी. डी. ए कार्यक्रमों को आयोजित करने की हिदायत दीं, वहीं भाजपा पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग हमारे भगवान राम को लेकर आएं हैं गाने खूब बजवातें हैं आप लोग बताइये यह इस गाने के माध्यम से अपने आपको भगवान से भी बड़ा बनाने में जुटे हैं ज़ब यह इतने बड़े हैं तो यह देश के भगोड़े नीरव मोदी और विजय माल्या को कब भारत लाएंगे। उन्होंने कहा यह लोग भगवान राम को मानने का ढोंग करते हैं और उन्हीं के दूसरे स्वरुप भगवान कृष्ण के बंशज राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री आवास छोड़ने पर उसे गंगाजल से धुलवातें हैं। यह लोग समाज को धर्म और जाति के नाम पर बाँटने का गलत काम कर रहें हैं जिसे सपा कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। इस कड़ी में महानगर अध्यक्ष शमीम खाँ सुल्तानी ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि पी. डी. ए चर्चा कार्यक्रम ने जनता के बीच हमारी पकड़ और मजबूत की हैं जिस कारण से भाजपा की नींदे उड़ चुकी हैं इसलिए जनता को हिंदू - मुस्लिम में उलझाने में जुटी है। इनके इस एजेंन्डे को जनता के बीच बेनकाब करना होगा। उन्होंने कहा भारत की गंगा जमुनी तहजीब दुनिया में बेमिसाल हैं लेकिन भाजपा लगातार इसे धूमिल करने के लिए इतिहास को गलत तरीके से पेश कर जान बूझ कर अल्पसंख्यक वर्ग के खिलाफ नफ़रत का माहौल तैयार कर रही है। इनके इन षड्यंत्र का माकूल ज़बाब हमें आपसी भाईचारे और एकता से देना होगा। बैठक में विचार रखते हुए पूर्व विधायक विजय पाल सिंह ने कहा बहुजन समाज पूरी ताकत के साथ अखिलेश यादव जी को मजबूत करने में जुट गया है और 2027 में यह बहुजन समाज सपा की सरकार बनाकर ही दम लेगा। पूर्व महापौर और कैंट विधानसभा से प्रत्याशी रहीं सुप्रिया ऐरन ने कहा लोकसभा चुनाव में पीडीए समाज ने हमारा जिस तरह से साथ दिया उसी बजह से हम देश की तीसरी और प्रदेश की एक नंबर की पार्टी बन गए हैं। जनहित के मुद्दों, महंगाई और अपराध पर फेल हो चुकी भाजपा सरकार को जनता अब 27 के चुनाव में हिसाब पूरा करेगी। मासिक बैठक में शहर विधानसभा से प्रत्याशी रहे राजेश अग्रवाल,पूर्व महानगर अध्यक्ष कदीर अहमद, ज़िला उपाध्यक्ष मनोहर पटेल, उपाध्यक्ष खालिद खान, राजेश मौर्या, डॉक्टर शफीकउद्दीन, ज़िला कोषाध्यक्ष अशोक यादव, बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सोनकर, अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष इंजिनियर अनीस अहमद, बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव रणवीर जाटव, डॉ. अनीस बेग, पार्षद दल नेता गौरव सक्सेना, पार्षद मों. आरिफ़ क़ुरैशी, हरिशंकर यादव मीरगंज विधानसभा अध्यक्ष सुरेश गंगवार, कैंट विधानसभा अध्यक्ष रोहित राजपूत, बिथरी अध्यक्ष रमेश यादव व फरीदपुर विधानसभा अध्यक्ष बलराम यादव, आँवला से अमित राज यादव व डॉ. जीराज यादव, ज़िला सचिव ब्रजेश श्रीवास्तव, द्रोण कश्यप, खालिद राणा तथा महानगर सचिव संजय वर्मा, मों. वासीम, सय्यद ज़मील अहमद, नाजिम क़ुरैशी, डॉ. चाँद, महिला सभा जिलाध्यक्ष स्मिता यादव व महानगर अध्यक्ष सरताज़ गजल अंसारी, अल्पसंख्यक सभा जिलाध्यक्ष असलम खान, युवजन सभा जिलाध्यक्ष मोहित भरद्वाज व महानगर अध्यक्ष दीपक यादव, बाबा साहब वाहिनी जिलाध्यक्ष ब्रजेश आजाद व महानगर अध्यक्ष अमित गिहार, यूथ ब्रिगेड महानगर अध्यक्ष सचिन आनंद, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष अनिल पटेल व महानगर अध्यक्ष आदित्य कश्यप,अनुसूचित जाति एवं जनजाति प्रकोष्ठ महानगर अध्यक्ष सुनील सागर, शिक्षक सभा महानगर अध्यक्ष के. पी राठौर, अधिवक्ता सभा जिलाध्यक्ष श्याम वीर यादव व मजदूर सभा जिलाध्यक्ष यशवीर सिंह यादव, व्यापार सभा महानगर अध्यक्ष नीरज गुप्ता, संजीव कश्यप, महेंद्र बिक्रम, प्रबल तिवारी, चंद्रसेन पाल, प्रमोद अग्रवाल, उषा यादव, शिवानी कुमारी, राजेश्वरी यादव, नामी शरण, जावेद गद्दी, अमरीश यादव, रेहान अंसारी, महेंद्र बिक्रम सिंह, वरुण गिहार आदि प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव मनोनीत होनें पर रणवीर सिंह जाटव का पार्टी पदाधिकारियों ने मालाएं पहनाकर स्वागत किया। मासिक बैठक के पश्चात् पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार के स्वर्गीय पुत्र अमित गंगवार तथा महानगर उपाध्यक्ष शेर सिंह गंगवार की स्वर्गीय माता प्रेमवती जी की दिवंगत आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रख श्रद्धां सुमन अर्पित किए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दरगाह इस्हाक मियां रह0 अलै0 में इस्हाकी मस्जिद सिविल लाइन्स निकट आंखों के अस्पताल के बराब

क्यूँ न लिखूँ सच -सिकंदर राजा

बरेली - दरगाह के सज्जादानशीन व सेकेटरी हाजी मौ0 इकबाल इस्हाकी ने जानकारी देते हुये बताया कि यहां नमाजे तरावीह में 5 पारे रोजाना सुनाये जा रहे थे जो आज दिनांक 7.3.2025 जुमा को मुकम्मल हो गये। मुफती हाफिज कारी मौ0 मुस्तेजाब हुसैन कदीरी ने कुरान सुनाया और मुल्क की खुशहाली व तरक्की और अमनो अमान के लिये दुआ कराई। जिसमे काफी तादाद में लोगों ने यहां नमाजे तरावीह अदा की। दुआ में तरावीह पढ़ने वालो के साथ मेहमानो में आल इंडिया खानकाही एकता मिशन के ओहदेदारान, और शहर के खुसूसी लोगों ने शिरकत की। दुआ के बाद सभी की खिदमत में तबररूक बांटा गया। और मुफती सहाब ने रमजान की बरकतें बयान की हाफिज हमजा इस्हाकी, हाफिज अरमान इस्हाकी, हाफिज मौ0 सुफियान इस्हाकी, फॉइज इस्हाकी हाफिज बुतूराब कदीरी और कुछ नात खां हजरात ने अपने कलाम पेश किये। वहीं दरगाह के सज्जादा नशीन हाजी मौ0 इकबाल इस्हाकी व इस्हाकी कमेटी मौ0 अफजाल इस्हाकी, मौ0 जमाल इस्हाकी, मौ कमाल इस्हाकी ने प्रशासन का भी शुक्रिया अदा करते हुये कहा कि उन्होने बताया जिस दिन से तराबीह शुरू हुई जब से मुकम्मल होने तक प्रशासन का पूर्ण सहयोग मिला जिससे कोई परेशानी नमाजीयों को नहीं हुई न ही कोई रोड पर जाम रहा। वही इन्तेजाम करने वालो में मौ0 मंसूर, मौ0 सलीम, मौ0 खालिक, मौ0 रूहे जमाल, मौ0 तारिक, मौ0 बिलाल हाजी मौ0 नदीम इस्हाकी आदि मौजूद रहे।

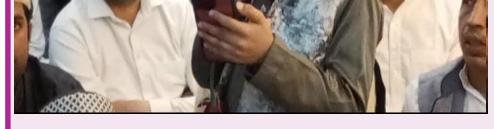

शारदा संगोष्ठी एवं वार्षिकोत्सव का हुआ आयोजन पूर्व शिक्षक -शिक्षिकाओं का हुआ सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली -रिठौरा।उच्च प्राथमिक विद्यालय कुंवरपुर बंजरिया में स्थापना वर्ष से लेकर आज तक सभी सेवानिवृत्त एवं स्थानांतरित शिक्षक - शिक्षिकाओं का सम्मान रहा मुख्य आकर्षण,कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बीना सक्सेना प्रथम महिला प्रधानाध्यापिका रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रथम प्रधानाध्यापक सदाराम ने की कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में विकास खण्ड बिथरी चैनपुर की ओर से सर्वाधिक संख्या में सफल छात्राओं एवं उनकी माताओं का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों का भी सम्मान किया गया ।इस मौके पर विभिन्न शिक्षकों ने अपने अनुभव एवं प्रेरणादायी विचारों से बच्चों को अवगत कराया ।छात्र -छात्राओं ने इस मौके पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए ।कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका शिवानी मनोचा ने किया । अंत में प्रधानाध्याक डा0 विनय कुमार ने आए सभी अतिथि एवं अभिभावकों का आभार प्रकट किया ।

पांच साल की उम्र से रख रहे नन्हें -मुन्ने पवित्र रमज़ान, मुल्क में अमन -चैन की दुआ करते हुए

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली -रिठौरा।मन में आस्था एवं परिजनों का सहयोग नन्हें -मुन्नों को जीवन में अच्छे रास्ते पर ले जाता है। जिसके चलते जीवन सदैव सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ता है।नगर के मोहल्ला काहरान के कैसर हुसैन के पोते शेहाब हुसैन(12),सरहान हुसैन (9) मोहम्मद सारिक (6) पिछले पांच वर्ष की आयु से रमज़ान रखते आ रहे हैं।सुबह उठकर सहरी खाना, नमाज़ पढ़ना के बाद स्कूल पढ़ने जाना इन नन्हें -मुन्नों की दिनचर्या है।इस सन्दर्भ में नन्हें -मुन्नों से रमज़ान रखने को सन्दर्भ में पूछा तो उन्होंने कहा हम अपने मुल्क में अमन -?चैन चाहते हैं।पढ़ लिखकर देश की सेवा करेंगे।

प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन कराने का मामला आया सामने, मौके पर पहुंची पुलिस

अमेठी में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन कराने का मामला सामने आया है। मौके पर पहुंची पुलिस को कुछ सबूत मिले हैं। अमेठी के पालपुर कस्बे में प्रार्थना सभा की आड़ में धर्म परिवर्तन कराने का मामला रविवार को सामने आया है। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने एक मकान में छापा मारा। मौके से धर्म परिवर्तन से संबंधित कई पुस्तकें, दस्तावेज और अन्य सामग्री भी जब्त की गई है। पालपुर कस्बे के एक मकान में प्रार्थना सभा के नाम पर 100 से अधिक महिला पुरुष जमा हुए थे। किसी ने धर्म परिवर्तन की सूचना हिन्दू धर्म संगठन और पुलिस को दे दी। जानकारी पर सीओ मुसाफिरखाना अतुल सिंह, तहसीलदार मुसाफिरखाना राहुल सिंह, नायब तहसीलदार मुसाफिरखाना प्रशांत सिंह व प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार यादव फोर्स संग मौके पहुंचे। घर के भीतर जाकर देखा तो छत पर बड़ी संख्या में आस पास गांवों के महिला पुरुष बच्चे मौजूद मिले।ईसाई धर्म से जुड़ी पुस्तकें, डायरी, पैंपलेट, माइक, डफली सहित ऑडियो सिस्टम सहित कई सामान बरामद हुआ। मकान में मौजूद लोगों से पूछताछ करने के बाद कुछ को घर से तो कुछ को थाने लाने के बाद छोड़ दिया। इसके बाद पुलिस संदिग्ध पांच महिला व एक पुरुष को हिरासत में लेकर जांच में जुटी है। इंस्पेक्टर ने बताया कि संदिग्ध गतिविधियों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि धर्म परिवर्तन एक संगठित तरीके से कराया जा रहा था। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ भी की जा रही है कि क्या वे स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन कर रहे थे या किसी लालच, भय अथवा दबाव में आकर ऐसा कर रहे थे। जांच के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

कार और ईको की भिड़ंत...उड़ गए परखच्चे, दो लोगों की मौत और 14 घायल; बरसाना से होली खेलकर लौट रहे थे

कार सवार श्रद्धालु बरसाना से होली खेलकर लौट रहे थे। रास्ते में चालक कार पर नियंत्रण खो बैठा। सामने से आ रही ईको से कार की भिड़ंत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए।टूंडला में फिरोजाबाद हाईवे पर बरसाना (मथुरा) से होली खेलकर लौट रहे कानपुर के श्रद्धालुओं की कार डिवाइडर पार कर सामने से आ रही ईको गाड़ी से टकरा गई। हादसे में कार सवार महिला और चालक की मौत हो गई। वहीं दोनों वाहनों के 14 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।हादसा रविवार सुबह साढ़े नौ बजे करीब हुआ। कानपुर के किदवई नगर निवासी कार चालक देवेंद्र मिश्रा शनिवार को वहीं के निवासी राजेंद्र अग्रवाल के परिवार को लेकर बरसाना होली खेलने ले गए थे। रविवार सुबह सभी श्रद्धालु होली खेलकर वापस कानपुर लौट रहे थे। कार उसायनी स्थित माता वैष्णोधाम मंदिर के निकट पहुंची तभी अचानक चालक कार से नियंत्रण खो बैठा। कार डिवाइडर पार करते हुए दूसरी ओर पहुंच गई तथा फिरोजाबाद की ओर से सवारियां लेकर आ रही ईको गाड़ी से भिड़ गई।हादसा इतना भीषण था कि कार और ईको गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार चालक देवेंद्र मिश्रा और कार सवार महिला श्रद्धालु बीना अग्रवाल निवासी किदवई नगर, कानपुर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में कार सवार राजेंद्र अग्रवाल, उर्मिला अग्रवाल, ध्रुव अग्रवाल एवं ईको गाड़ी सवार लक्ष्मी, प्रतिभा, पंकिल अग्रवाल, अमरपित, रामवीर, सिराजुद्दीन, आशीष, अवनीश, गुडविल, शिवराम गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। वहीं, मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना प्रभारी अंजीश कुमार सिंह का कहना है कि हादसा संभवत- चालक को झपकी आने से हुआ है। हादसे में चालक सहित दो की मौत हुई है। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

सीतापुर में पत्रकार की हत्या:पत्नी की तहरीर पर अज्ञात हमलावरों के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज, हुआ अंतिम संस्कार

सीतापुर के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड के बाद उनकी पत्नी रश्मि बाजपेई की तहरीर पर अज्ञात हमलावरों के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज किया गया है। पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड के बाद उनकी पत्नी रश्मि बाजपेई की तहरीर पर अज्ञात हमलावरों के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज किया गया है। पत्नी रश्मि एक दैनिक समाचार पत्र के कार्यरत थे। 8 मार्च को बाजपेई के मुताबिक उनके पति के पति घर से किसी से महोली संवाद सूत्र के रूप में साइकिल से निकले दोपहर करीब ढाई बजे प्रार्थिनी मिली कि प्रार्थिनी के पति मिलने की बात कहकर मोटर क्रासिंग पर बने ओवर ब्रिज थे।लगभग साढ़े तीन बजे खबर कर गोली मार दी गयी है। को सीतापुर रोड पर हेमपुर ले जाया गया है। इस सूचना पर कुछ हमलावरो द्वारा घेरा बंदी परिचितो व ससुर के साथ उन्हे सीतापुर जिला अस्पताल अस्पताल पहुँचने पर पता पर प्रार्थिनी अपने पडोस के मौत हो चुकी है। उन्होंने जिला अस्पताल पहुँची। जिला दिनों में अपने समाचार पत्र चला कि प्रार्थिनी के पति की में कुछ ऐसी खबरे प्रकाशित की थी, जिसको लेकर खबरो से प्रभावित होने वाले लोग उनसे नाराज थे। उन्हें विश्वास है कि मेरे पति को रेकी कर योजना बद्ध तरीके से हत्या की गयी है। इस हत्या को लेकर बताया कि पति ने पिछले कुछ अभी जितनी जानकारी प्रार्थिनी को है,वह दे रही है इसके अलावा और जो भी जानकारी प्रार्थिनी को मिलेगी वह श्रीमान जी को सूचित करेगी। एएसपी डॉ प्रवीण रंजन सिंह ने बताया कि केस दर्ज किया गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

क्रिकेटर सुरेश रैना के रिश्तेदारों को उतारा था मौत के घाट, पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर किया सरगना असद

मथुरा में पुलिस ने एक लाख के इनामी जिस गैंगस्टर असद को मुठभेड़ में ढेर किया, उसने क्रिकेटर सुरेश रैना के तीन रिश्तेदारों को मौत के घाट उतारा था। लूट के लिए इस वारदात को अंजाम दिया गया था। पुलिस को इस घटना में भी असद की तलाश थी।19 अगस्त 2020 में पठानकोट में लूट के लिए क्रिकेटर सुरेश रैना की बुआ और फूफा समेत 3 लोगों की छैमार गिरोह ने हत्या कर दी थी। पुलिस ने कुख्यात बदमाश असद उर्फ फाती के साथी राशिद उर्फ सीपाई पर 50 हजार का इनाम भी घोषित किया था। पुलिस ने एक माह बाद ही सोरम-गोयला मार्ग पर मुठभेड़ में मुख्य हत्यारोपी राशिद को ढेर कर दिया था। असद की तलाश जारी थी।मथुरा के डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने बताया कि 19 अगस्त 2020 को पठानकोट में लूट के लिए छैमार गैंग के मुखिया फाती उर्फ असद ने पूरी योजना तैयार की थी। इसके बाद उसके साथी राशिद ने क्रिकेटर सुरेश रैना की बुआ और फूफा के घर पर धावा बोल दिया था। लूट का विरोध करने पर राशिद ने सुरेश रैना के फूफा अशोक कुमार, बुआ आशा और फुफेरे भाई कौशल कुमार को गंभीर रूप से घायल कर दिया। रैना के फूफा अशोक की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि बुआ आशा और भाई कौशल ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस मामले से जुड़े दो बदमाशों को शहर कोतवाली पुलिस ने 19 सितंबर 2022 में किदवई नगर में मुठभेड़ के दौरान पकड़ लिया था। एक बदमाश की पहचान जिला सहारनपुर के थाना गंगोह स्थित गांव धलापड़ा झुग्गी झोपड़ी निवासी काका उर्फ गोलू उर्फ शहजान के रूप में हुई थी, जबकि दूसरा बदमाश मुरादाबाद पीपल साना निवासी तालिब उर्फ फैजान उर्फ आसिम था। पुलिस की जांच में बदमाश राशिद का नाम सामने आया था। वह फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार का इनाम भी घोषित था।एक अप्रैल 2023 को शाहपुर थाना क्षेत्र में पुलिस और एसओजी से मुठभेड़ में एक बदमाश राशिद घायल हो गया। उसे सीएचसी शाहपुर पहुंचाया गया, वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। राशिद छैमार गिरोह का सदस्य था। वह तीन लोगों की हत्या के मामले में वांछित था। मुजफ्फरनगर में राशिद के खिलाफ जानलेवा हमले और डकैती के मुकदमे दर्ज हैं। एक अन्य बदमाश मौके से फरार हो गया। अब असद को भी किया ढेर- तीनों राज्य की पुलिस को लंबे समय से असद की तलाश में जुटी थी। डीआईजी शैलेश पांडेय ने बताया कि रविवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि थाना हाईवे के कृष्णा कुंज कॉलोनी के एक घर में फाती अपने 3 साथियों के साथ छिपा है। एसओजी व हाईवे पुलिस ने घर की घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी और भागने लगे। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक गोली फाती के लग गई। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अंधेरे का फायदा फाती के साथी भाग गए। आईपीएल छोड़कर लौटे थे सुरेश रैना - जिस समय वारदात हुई, तब सुरेश रैना 2020 में संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आईपीएल में हिस्सा लेने के लिए गए थे। वह चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे थे। जब उन्हें अपने रिश्तेदारों की मौत की जानकारी हुई तो वह निजी कारणों का हवाला देते हुए आईपीएल मैच छोड़कर वापस भारत लौट आए थे। इसके कारण चेन्नई सुपर किंग्स और सुरेश रैना के फैंस को काफी निराशा हुई थी। सीएसके की पूरी टीम ने उन्हें मुश्किल समय में साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया था। इस आईपीएल को मुंबई इंडियंस ने जीता और उपविजेता का खिताब दिल्ली कैपिटल्स को मिला था।

संक्षिप्त समाचार

न पोल में बांधा न गोली मारी, शहजादी को हुई फांसी, पिता ने कहा- फर्जी जानकारी परोस रहा सोशल मीडिया

शहजादी के पिता शब्बीर ने कहा कि सोशल मीडिया फर्जी जानकारी परोस रहा। शहजादी को न खंभे से बांधा न गोली मारी उसे फांसी है।शहजादी को अबूधाबी में दोनों हाथ में गोली मारने मीडिया की पिता शब्बीर ने दिया है। बातचीत में कि सोशल मीडिया में प्रचलित गोली मारने जैसी बात कोरी अफवाह है। उनकी बेटी को फांसी दी गई है और उसका कब्रिस्तान में कब्र नंबर ए-7,एस-1, 954 में दफनीना हुआ है।पिता शब्बीर ने कहा कि दुबई में रहने वाली रिश्ते की बेटी नगमा दफनीना के समय मौजूद थी, उसका भी यहीं कहना है। रिश्ते की बेटी ने वीडियो कॉलिंग के जरिए शहजादी के दफनीना का दृष्य दिखाने के लिए कहा तो उन्होंने मना कर दिया। क्योंकि उनके पास बेटी का चेहरा देखने की हिम्मत नहीं थी। हालांकि नगमा ने फोन पर वहां की जानकारी जरूर दी थी। कुछ कब्रिस्तान की फोटो भी डाली थी। उनके कहने पर दुबई की सरकार ने शहजादी का दफनीना कब्रिस्तान में कराया। कब्रिस्तान को पक्का कर कब्र नंबर जारी किया गया है। ताकि कभी वहां परिवार के लोग पहुंचे तो मगफिरत के लिए दुआ कर सके। सोशल मीडिया में खंभे से बांधने व गोली मारने जैसी इस तरह की कोई जानकारी उनके द्वारा नहीं दी गई है। उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि बेटी को बचाने के लिए मदद तो किसी ने नहीं की, अब उसकी मौत पर बाल का खाल निकाल रहे हैं।फाइनल रिपोर्ट को कोर्ट में करूंगा चैलेंज- पिता शब्बीर ने कहा कि कहा कि फेसबुक के जरिए दोस्ती कर उसे आगरा ले जाकर बहला फुसलाकर दुबई में बेचने और उसके डेबिट कार्ड से पैसा निकालने की रिपोर्ट उन्होंने कोर्ट के आदेश पर मटौंध थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने इसमें फाइनल रिपोर्ट लगा दी है। मैं अभी तक बेटी को बचाने में लगा था। मैं बेटी को इस हालात में पहुंचाने वालों को छोड़ूंगा नहीं। फाइनल रिपोर्ट को हाईकोर्ट में चैलेंज करूंगा।

दरगाह आला हजरत से पैगाम- सुब्हानी मियां बोले- सौहार्द को दें बढ़ावा, नफरतों को कम करने वाले ही असली देशभक्त

जुमा के दिन होली का त्योहार होने की वजह से पुलिस प्रशासन ही नहीं बल्कि मजहबी शख्सियत भी फिक्रमंद हैं। पीस कमेटी की बैठकें हो रही हैं। इन सबके बीच दरगाह आला हजरत से कौम के नाम पैगाम जारी किया गया है। बरेली में सुन्नी सूफी खानकाही बरेलवी विचारधारा के सबसे बड़े भारतीय केंद्र मरकज दरगाह आला हजरत के प्रमुख हज़रत अल्लामा सुब्हान रजा खान सुब्हानी मियां ने कौम के नाम सौहार्द का पैगाम दिया है। उन्होंने कहा कि रमजान हर मुसलमान के लिए इज्जत, एहतिराम और

बरकत वाला महीना है। जिसमें ईमान वाला हर शख्स ज्यादा से ज्यादा नेकियां कमाने की कोशिश करता है। एक-दूसरे की मदद करने की ललक रखता है। लड़ाई, झगड़े और बुराइयों से दूर रहने का प्रयास करता है। यह वक्त हम सब को गरीबों की मदद करने और बेसहारा लोगों को ईद की खुशियां मनाने का मौका देने की तालीम देता है। सौहार्द को बढ़ावा दें और गरीबों की मदद करें। रंग वाले रास्तों पर न जाएं सुब्हानी मियां ने कहा कि हर मुस्लिम की जिम्मेदारी है कि वह अपनी हिफाजत के साथ पाक व साफ कपड़ों में रहकर इबादत करे। रमजान के दौरान जुमे के दिन होली का त्योहार भी है और रंग खेलने का वक्त भी सुबह से दोपहर का है। इसलिए अपने लिबास, नमाज के कपड़ों वगैरह की पाकी, हिफाजत और सफाई का खयाल रखते हुए रंग खेलने वाले रास्तों और जगहों पर बिना जरूरत जाने से परहेज करें। महफूज जगहों पर रहकर इबादत में वक्त गुजारें। मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में अपने तयशुदा वक्त पर ही नमाज़ अदा करें। जहां मिली-जुली आबादी है और मस्जिद के रास्तों में रंग खेला जा रहा हो। ऐसे हालात में अपनी सहूलियत के हिसाब से जहां जरूरत समझें मोहल्ला और मस्जिद उलमा से मशविरा करके जुमे के तयशुदा वक्त में फेरबदल कर लें।

श्री शाकुम्भरी देवी सेवा संघ शामली द्वारा 122 वां विशाल भंडारा का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली। श्री शाकुम्भरी देवी सेवा संघ शामली के अध्यक्ष सुरेंद्र बंसल द्वारा प्राप्त जानकारी के

अनुसार बाबा बंसी वाले की प्रेरणा से श्री शाकुम्भरी देवी सेवा संघ द्वारा हर माह में शुक्ल पक्ष की चौदस से एक सप्ताह पहले भंडारे का आयोजन किया जाता है इस बार भी 122 वां विशाल भंडारा का आयोजन हनुमान टीला हनुमान धाम पर किया गया। इस भंडारे की खास बात यह रहीं की सभी माँ के प्यारों को भोजन थाली में कराया गया। भोजन में कढ़ी चावल हलवे के प्रसाद के साथ सभी को भोजन कराया गया। सभी ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ प्राप्त किया।(श्री शाकुम्भरी देवी सेवा संघ शामली द्वारा हर माह में शुक्ल पक्ष की चौदस पर एक डीलक्स बस दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर बुढ़ाना रोड एचडीएफसी बैंक के आगे से माँ शाकुम्भरी देवी दर्शन के लिए जयेगी जिसकी सहयोग राशी बहुत नोरमल रखी गई है भक्त धर्म लाभ उठा सकते हैं)। इस आयोजन के मौके पर अध्यक्ष सुरेंद्र बंसल (गंगाटूरिस्ट), सचिव राकेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष भेरी लाल संगल (गर्ग इंसोरेनस), विनम्र सेवा ने मयंक इलेक्ट्रोनिक, संरक्षक संजय धीमान, राकेश गर्ग के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में लोग रहे।

62वीं वाहिनी एस. एस. बी ने की ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- 62 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल भिनगा के दिशा निर्देशन एवं निरीक्षक योगेश यादव की अध्यक्षता में %सी% समवाय सुईयां के कार्यक्षेत्र में पड़ने वाली ग्राम पंचायत पिपरहवा के चतुरी गांव के प्राथमिक विद्यालय में ग्राम सुरक्षा समिति बैठक का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम समस्त ग्राम वासियों का स्वागत करते हुए सभी से उनके विचारों एवं सुझावों को रखने के लिए आग्रह किया गया जिसमे ग्रामीणों द्वारा बताए गए बिंदु निम्न प्रकार हैं - 1. बैठक में भाग लेने वाले ग्रामीणों ने प्राथमिक आरोग्य केंद्र बनवाने के लिए आग्रह किया गया

ताकि लोगों को उपचार सही समय पर मिल सके । 2. गांवों के नालियों में कीटनाशक दवाई का छिड़काव किया जाए जिससे बीमारियों से बचा जा सके । 3. गांव में पक्की सड़कों का निर्माण किया जाए जिससे ग्रामवासियों को बरसात के समय आने जाने में परेशानी ना हो ।ग्रामीणों की समस्याओं को सुनने के पश्चात् सभी की समस्याओं को शीघ्र ही संबंधित विभाग / कार्यालय को पत्र के माध्यम से अवगत कराने का आश्वासन दिया जिससे समस्याओं का निवारण जल्द से जल्द किया जा सके । ग्रामीणों को जनकल्याणकारी योजनाओ के बारे में बताया गया, सीमावर्ती क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों, तस्करी या किसी भी संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देता है या इनसे संबंधित कोई सूचना मिलती है तो सशस्त्र सीमा बल की नजदीकी सीमा चौकियों अथवा बल के नि: शुल्क टोल फ्री नंबर 1903 पर अविलंब जानकारी दे, इसके लिए आपका सहयोग बहुत जरूरी है । इसके बाद बैठक का समापन किया गया । बैठक में उप निरीक्षक व सीमा चौकी हकीमपुरवा से उप निरीक्षक बी.एस बटोला , अन्य जवान एवं ग्राम प्रधान नूर मोहम्मद अन्य ग्रामीण मौजूद रहे ।

त्योहारों के मध्य नजर किला गेट कोतवाली कैराना मे सीओ साहब ने सभी व्यापारियो की मीटिग ली

क्यूँ न लिखूँ सच -मनीष मित्तल

कैराना। आज कैराना मे किला गेट कोतवाली मे सीओ साहब ने सभी व्यापारियो की मीटिग ली जिसमें सभी दुकानदार को होली का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाने और बाजार में किसी भी प्रकार का लड़ाई झगड़ा न हो सके तथा होली के पर्व को सादगी तथा प्रेम के साथ मनाए और जुम्मे की नमाज भी आराम से पढ़े और दोनों समुदायों से अपील की कि त्योहारों की तैयार उल्लास के साथ तरह सौहार्द मैत्री भाव से मनाए। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या मे दोनो समुदाय के लोग मौजूद रहे।

नीलगिरी वृक्ष के अवैध कटाई पर प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर - जिले में कृषकों द्वारा अपने निजी भूमि में अजीविका में वृद्धि हेतु नीलगिरी के वृक्षों का रोपण की प्रवृत्ति वर्षो से है। निलगिरी वृक्ष अत्यंत तेजी से बढ़ने वाली प्रजाति है जो 5-7 साल में विदोहन योग्य तैयार हो जाता है। नीलगिरी का उपयोग कागज एवं प्लाईवुड उद्योगों में होता है। छ0ग0 में निजी भूमि से नीलगिरी वृक्षों की कटाई एवं विक्रय असंगठित सेक्टर है तथा राज्य शासन द्वारा नीलगिरी के काष्ठ के परिवहन हेतु अभिवहन पास से मुक्त किया गया है। राज्य शासन द्वारा किसानों की आय में वृद्धि

हेतु नीलगिरी वृक्ष के रोपण को किसान वृक्ष मित्र योजना द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है जिसके तहत किसान को क्लोनल नीलगिरी वृक्ष के पौधे नि:शुल्क प्रदाय किया जा रहा है। राज्य में निजी भूमि से वृक्षों की कटाई हेतु वृक्ष कटाई नियम 2022 लागू है। सूरजपुर जिले में निजी भूमि से वृक्षों की कटाई हेतु कलेक्टर श्री एस जयवर्धन से अनुमोदन उपरान्त 4 फरवरी को निर्देश जारी किया गया जिसके तहत किसानों को वृक्षों का पंजीयन राजस्व अभिलेखों में दर्ज करना एवं कटाई पूर्व आवेदन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के समक्ष करना अनिवार्य किया गया तथा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा आवेदन पर 30 दिवस में कटाई पर स्पष्ट अभिमत हेतु निर्देशित किया गया। नीलगिरी वृक्ष के अवैध कटाई पर नियंत्रण हेतु प्रशासन द्वारा लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। जिला में बिना अनुमति वृक्ष कटाई की शिकायत मिलने पर राजस्व विभाग एवं वन विभाग के संयुक्त दल द्वारा शिकायत की जाँच किया जाता है एवं कटाई नियम/निर्देश के उल्लंघन पर राजस्व विभाग द्वारा आवश्यक कार्यवाही किया जाता है। जिले में परिवहन के दौरान चेक पोस्ट/बैरियर पर नीलगिरी वृक्ष कटाई संबंधित आवेदन / अनुज्ञा न मिलने पर वाहन जप्त कर प्रकरण आवश्यक कार्यवाही हेतु राजस्व विभाग को हस्तांतरण किया जाता है। सूरजपुर जिले में अब तक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत 16 आवेदनों पर 346 वृक्षों की कटाई हेतु अनुमती दी गई है। जिले में अब तक बिना कटाई अनुमति/आवेदन के परिवहन कर रहे पाँच वाहनों को वन विभाग द्वारा जप्त कर आवश्यक कार्यवाही हेतु राजस्व विभाग को हस्तांतरण किया गया, जिस पर राजस्व विभाग के द्वारा अग्रिन कार्यवाही किया गया है। राजस्व विभाग के द्वारा निजी भूमि से बिना अनुमती वृक्षों की कटाई पर ग्रामीणों के विरूद्ध कार्यवाही किया जा रहा है। साथ ही ग्रामीणों को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के अनुमति उपरान्त ही कटाई करने हेतु जागरूक किया जा रहा है।

टंकी निर्माण कार्य पूर्ण करा पेयजल आपूर्ति के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती- श्रावस्ती नगर पालिका परिषद भिनगा में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत वार्ड संख्या-14 केशव नगर में निर्माणाधीन पानी की टंकी का देवीपाटन मण्डल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील एवं जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने आकस्मिक निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान आयुक्त ने वहीं पर उपस्थित अधिशासी अधिकारी नगर पालिका भिनगा एवं अधिशासी अभियंता जल

निगम को समय से निर्माण कार्य पूरा कराने हेतु निर्देशित किया, ताकि नगर वासियो को पेयजल की दिक्कत न होने पाये। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि जिले में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत पेयजल योजनान्तर्गत जो भी पानी की टंकियों निर्माणाधीन है। उनकी निरंन्तर मॉनीटरिंग की जाए और समय सीमा के अन्तर्गत कार्य को पूरा कराया जाये, जिससे गाँव वासियो को स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह, उप जिलाधिकारी भिनगा आशीष भारद्वाज, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद भिनगा डा0 अनीता शुक्ला सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

शामली के इस डाकघर में पासपोर्ट केंद्र बनाने की तैयारी

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली जल्द ही झिंझाना के डाकघर में पासपोर्ट केंद्र बनाया जाएगा इसके लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय गाजियाबाद के अधिकारियों ने प्रस्ताव बनाकर विदेश मंत्रालय और अधिकारियों को भेजा है जल्दी केंद्र स्थापित होने की संभावना है जिले में पासपोर्ट बनाने की सुविधा नहीं थी किसी भी डाकघर में यह सुविधा नहीं है यहां के लोगों को करीब 100 किलोमीटर दूरी तय करके गाजियाबाद जाना पड़ता है वहीं पर पासपोर्ट के लिए आवेदन किया जाता है इसके कारण जहां लोगों का समय नष्ट होता है वही गाजियाबाद जाने के कारण अतिरिक्त खर्च भी वहां द्वारा करना पड़ता है जिले के कैराना खेड़ा घर में पासपोर्ट केंद्र स्थापित करने के लिए विभागीय अधिकारियों ने विचार विमर्श किया था लेकिन किराए की बिल्डिंग होने के कारण कैराना मैं पासपोर्ट केंद्र बनाने से मन कर दिया

नगरपालिका परिषद सूरजपुर का शपथ ग्रहण समारोह हुआ सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर - सूरजपुर नगर पालिका चुनाव में विजयी हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष व पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह आज संपन्न हुआ ।शपथ ग्, हणा समारोह में

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि के रूप में शामिल थीं। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्रीमती चांदनी कंवर द्वारा नवनिर्वाचित उम्मीदवारों को शपथ दिलाया गया। शपथ ग्रहण समारोह में प्रेम नगर विधायक श्री भूलन सिंह मराबी, पूर्व विधायक श्री खेल साय सिंह, जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक व अन्य संबंधित अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

अवैध कच्ची शराब के साथ दो गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती- जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाये जाने के निर्देशों में मल्हीपुर पुलिस ने अभियुक्त ननके पत्र रामखेलावन निवासी मल्हीपुर खुर्द थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती को 09 लीटर अवैध शराब के साथ अमरलाल पुत्र ढीले निवासी मोहनपर केवटन पुरवा थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती को 09 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना मल्हीपुर पर 60 आबकारी अधिनियम में 02 अभियोग पंजीकृत किये गये।

होली त्यौहार को लेकर खाद्य विभाग ने दुकानों पर की छापेमारी

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती- श्रावस्ती आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उ0प्र0 लखनऊ के आदेश एवं जिलाधिकारी श्रावस्ती के निर्देश पर होली पर्व के अवसर पर मिलावटी खाद्य एवं पेय पदार्थो के विक्रय पर प्रभावी रोक-थाम के उद्देश्य से प्रवर्तन अभियान चलाया गया जिसमें विभिन्न खाद्य पदार्थो के कुल-04 नमूनें संग्रहित किये गये तथा लगभग 30 किग्रा0 सोया कटोरी नमकीन सीज किया गया। इकौना बाजार से 03 नमूने (01-नमकीन, 01-रंगीन कचरी, 01-सोया कटोरी वही कटरा बाजार से 01 नमूना (01-पनीर) संग्रहित नमूनों को जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला को भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी। प्रवर्तन अभियान सहायक आयुक्त (खाद्य) के निर्देशन एवं सुधीर कुमार राय मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण इन्दल यादव नरेन्द्र कुमार यादव एवं अजय कुमार श्रीवास्तव टीम में उपस्थित रहें।

लड़की का नाम लेकर बोला 'LOVE YOU', फिर कर दी फायरिंग

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ के क्वार्सी थाना क्षेत्र के नगला पटवारी इलाके में अवैध असलहे से फायरिंग करने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक लड़की का नाम लेकर %स्ङ्कश्व ङ्घह्% बोलते हुए फायरिंग करता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि फायरिंग करने वाले युवक का नाम सहवाज है, जो नगला पटवारी का निवासी है। वायरल वीडियो के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपी की तलाश की जा रही है। अवैध असलहे के साथ इस तरह की फायरिंग को लेकर पुलिस सख्त कार्रवाई करने की तैयारी में है।

India is number one in the case of Sleep Divorce, know from global survey why couples are separating here

For the past few days, the trend of Sleep Divorce is increasing rapidly all over the world. Meanwhile, a global sleep survey has recently come out which revealed that India is number one in sleep divorce in the whole world.

Here about 78% couples are preferring to sleep separately. Let us know about this survey in detail. These days, the trend of sleep divorce for couples is increasing rapidly. Recently a global survey has come out, in which shocking revelations came to the fore. According to this, India is at the first place in the whole world in terms of sleep divorce. In the changing lifestyle, our life has also started changing a lot. These days, not only our lifestyle, but the way of maintaining relationships has also changed a lot. This is the reason that nowadays many types of trends and words related to relationships are heard every day. Sleep divorce is one of these, which is increasing very fast in India these days. Shocking figures have come out in a recent report. Many revelations related to sleep were made in this global sleep survey. This survey revealed the reasons that cause the most disturbed sleep and the number one reason for lack of sleep was stress. Apart from this, the figures of sleep divorce were also revealed in this survey. According to the survey, India is number one in terms of sleep divorce. Here 78% of couples are following this trend. Here women have to face more problems related to sleep than men. Not only this, the survey also revealed the reasons that cause the most disturbance in sleep. These reasons include partner's snoring, loud breathing or panting (32%), restlessness (12%), poor sleep schedule (10%) and use of screen on bed (8%). In the survey, China is second with 67% and South Korea is third with 65% in terms of sleep divorce. Result of sleeping separately- This survey also told what effect it had on the relationship of couples following sleep divorce. 65% people rested better after sleeping separately. At the same time, 31% say that their relationship has improved, but 30% believe that it has spoiled the relationship. At the same time, 28% people believe that this has improved their sex life, but 22% people had the opposite opinion. What is sleep divorce? Usually after marriage, husband and wife sleep together on the same bed. Such a tradition has been going on for a long time, but in recent times a new trend called 'sleep divorce' came up, which became popular among couples in no time. This is a trend in which couples sleep in separate rooms or beds. Couples who follow this may be physically separated, but remain emotionally connected to each other. People usually do this for better sleep and to maintain love in the relationship.

Has the romance ended in the husband-wife relationship? Increase closeness with these 5 tips

By maintaining mutual understanding and coordination, the husband-wife relationship can be made very beautiful. If your relationship is also not the same as before and you want to reduce the increasing distance in the relationship, then we have given you some healthy tips, by adopting which you can maintain romance in your relationship. It is important to give time and love for the longevity of any relationship. You can put in many efforts to strengthen relationships. The husband-wife relationship is based on trust, it is very easy to start any relationship. However, it is your own responsibility to maintain love and trust in it. To keep the relationship beautiful (Relationship Tips), you need to work very hard. You have to put in extra effort so that the closeness remains. Let us tell you that the relationship between husband and wife is very delicate compared to others. If you do not work on it, it does not take long for it to deteriorate. For the longevity of the relationship, you have to give your time and love, take care of each other's feelings and respect each other. However, after some time, due to lack of love or intimacy in the relationship, the distance in the relationship starts increasing. This reduces the life of the relationship. In such a situation, a couple can always stay together by maintaining understanding and coordination. If your relationship is also not looking the same as before and you want to reduce the increasing distance in the relationship, then with the help of these tips you can make your relationship beautiful. Let us know in detail- Maintain honesty- Any relationship is based on trust. The foundation of a relationship which does not have trust becomes weak automatically. Try to be honest in the relationship. Do not lie to each other. This will ensure that there is no lack of love in your relationship. Pay attention to the tone- It is very important to maintain communication in any relationship. However, your tone matters a lot while talking. If you do not say even a good thing in the right tone, then that good thing will have no meaning. Therefore, it is very important to take care of your tone while talking. Do not try to change- Before starting any

relationship or after starting it, accept your partner accordingly. Expecting change can spoil your relationship. It is a human tendency that no person gives up his natural behavior. So in such a situation you should not pay attention to this. If there is any problem, then talk to your partner and solve the problem. Romance is also importantIt does not matter how many years you have been married. To keep the romance alive in your relationship, you will need to give time to each other. This will keep your relationship happy throughout your life. Emotional intimacy is also important-It is important to maintain emotional intimacy in a relationship. Without emotional intimacy, being intimate with each other is a momentary pleasure. This reduces the life of the relationship. So take care of this.

This Holi, make these 6 types of healthy snacks at home, freshness will remain for months

Holi Snacks This time Holi is being celebrated on 14th March. The festival of Holi is near. In such a situation, preparations for Holi have started in people's homes. People are busy making different types of dishes. Today we are going to tell you about such healthy snacks on the occasion of Holi which can be stored in an airtight container for months. On Holi, people come to each other's house to apply colors. Many types of dishes are made for the guests. You can prepare 6 types of snacks on Holi. The festival of Holi is near. People are busy preparing for Holi in their homes. Various types of dishes are made on this day. Holi is a festival of colors. People go to each other's house to meet on Holi. By the way, there is a tradition of making Gujiya on Holi. However, not just one but many types of snacks are prepared. Which can easily last for a month. The special thing is that no chemical of any kind is added to it. If you also want to make some such snacks, then we are going to tell you about 6 delicious and easily stored snacks. Let's know the easy recipe to make them- Namakpara- Namakpara is a traditional snack, which is prepared from flour, semolina and salt. To make it, the flour is kneaded and cut into small pieces and fried on low flame. It can be stored in an airtight container. It can easily last for a month. It is also very crispy to eat. Shakkarpare is also the best option- If you like to eat sweets, then Shakkarpare can be a great option. It is prepared from flour and ghee, then it is deep fried and dipped in sugar syrup or jaggery. It does not spoil for a long time. Apart from this, you can enjoy it with tea even after Holi. Mathri makes Holi special Mathri is very much liked in India. Flour, celery and salt are used to make it. It is fried on low flame and made crispy. By keeping it in an airtight container, it does not spoil for 1-2 months. If you want, you can also give methi mathri or any other different flavor. Chakli-This snack is very famous in Maharashtra. It is prepared from rice flour, sesame, and spices. This is also a snack that lasts for many days. Jaggery-sesame laddusIf you want to make a healthy snack on Holi, then you can make jaggery and sesame laddus. They are made from jaggery, sesame and ghee. They also do not spoil for many days. Chivda Mixture- Chivda can be a healthy option. Chivda mixture is a light and tasty snack, which is prepared from poha, peanuts, roasted gram and dry fruits. It can be stored in an airtight jar. It is a good option not only for Holi but also for daily consumption.

When co-star threw water on Deepika Padukone's face, the actress gave such a reaction, you won't believe it!

Deepika Padukone is a great actress of B-town. Famous for her brilliant performance on the big screen, how is Deepika in real life? People are eager to know this. Recently, a co-star of Deepika has told about the reaction of the actress in an interview. Once a co-star accidentally threw water on her. Know how the actress reacted then. Deepika Padukone worked in a film after a break Deepika's co-star shared an anecdote during the shoot Co-star accidentally threw water on Deepika's face Deepika Padukone is the most expensive actress of Bollywood today. Before being included in the list of top heroines, she has come a long way in the industry, but there is no attitude at all. This is not said by us, but by her co-star Nilu Kohli. Neelu Kohli worked with Deepika Padukone in the 2010 film Break Ke Baad. The film was also shot in Mauritius. Neelu Kohli has shared an anecdote related to the shooting of the film, when he accidentally threw water on the actress's face. Deepika was sprayed water by co-star During the shooting of Break Ke Baad, Neelu Kohli met Deepika Padukone for the first time and was impressed by her beauty. But their first meeting was a bit interesting and strange. Actually, while spraying water on a bouquet, he accidentally sprayed water on Deepika's face. The actress has revealed the reaction she gave then. In an interview to Hindi Rush, Neelu Kohli said, "We were shooting for Break Ke Baad in Mauritius and there was a huge bouquet in that scene. It was evening time and the bouquet was slowly wilting. Because of my love for plants, I was trying to water the bouquet so that it doesn't wilt. Then suddenly a voice came, 'Who is this?'" Deepika Padukone's reaction was like this Neelu Kohli further said, "I looked sideways and found out that Deepika was sitting on the other side of the bouquet and the water I was sprinkling went on her face. I was very shocked. She was looking really beautiful but yes, nothing happened after that because she realized what I was doing and I apologized and she didn't feel bad." It is known that in the Danish Aslam directed movie Break Ke Baad, Imran Khan was in the lead role with Deepika Padukone. Stars like Sharmila Tagore, Shahana Goswami and Lillete Dubey also played important roles in the film. This film flopped at the box office.

'My daughter when...' What does Deepika Padukone search about Dua on Google, the actress gave a funny answer

Deepika Padukone has not revealed the face of her daughter Dua, but she often shares many things related to her. Recently, in an interview, Deepika told what question does she ask Google about her daughter? It was so funny that it would amaze every new parent Deepika gave birth to a daughter on September 8 What does Deepika search about Dua The actress also talked about depression Deepika Padukone gave birth to a daughter on September 8 last year. Since then, the actress has been performing the duty of a new mommy. Ranveer Singh and Deepika Padukone have lovingly named their daughter Dua. Although Deepika has not yet shared the picture of her daughter, but after this she often shares what changes have come in her life. What does Deepika's search history say Deepika is spending as much time as possible with her daughter these days. Now recently in an interview, Deepika Padukone talked about her little darling Dua and told what she searches on Google. The actress attended the Forbes Summit held in Abu Dhabi. During this, Deepika was asked what she had last searched on the Internet. On this, Deepika said that the last time I searched was when will my baby stop spitting. Deepika said that you can see such questions in the search history of new mothers. Deepika told that her online search history is filled with questions asked only about her daughter. What does Deepika Padukone do in her free time? When Deepika was asked what an ideal day would be like for her? In response to this, the actress said that her ideal day would be full of relaxing activities at home and spending time with daughter Dua. Deepika said - sleep, massage, hydrate, baby time and lying in pajamas on the bed at home. During this, Deepika also talked about mental health in the conversation. Deepika said that she expects mental peace more than anything else. Earlier, while interacting with students at Prime Minister Narendra Modi's 'Pariksha Pe Charcha 2025' programme, she had spoken about a period in her life when she suffered from depression.

Armaan Malik-Kritika's son got a serious illness, first wife cried inconsolably, said- 'Curse the children...'

Bigg Boss OTT 3 fame Armaan Malik and his second wife Kritika Malik's son Zaid has got a serious illness, which he has informed on social media. Along with this, he has also lashed out at the trolls badly. Armaan's first wife is also broken by Zaid's illness. She cried bitterly and told why this has happened.Armaan Malik is the father of four children Second wife's son Zaid got sick Armaan's first wife got angry at the trolls Famous YouTuber Armaan Malik remains in the limelight for his personal life. Be it trolling for three marriages or adjusting with two wives, Armaan Malik remains in the headlines for some reason or the other. Recently, his second wife Kritika Malik has revealed that her son has got a serious illness. Armaan Malik is the father of four children. He has three children from his first wife Payal and a son named Zaid from his second wife Kritika. Kritika, who has appeared in Bigg Boss OTT 3, has revealed through a recent vlog that her little son has got a serious disease. Armaan-Kritika's child got a serious disease Actually, Armaan and Kritika's son has got rickets. In this disease, the bones of children become weak. This is due to lack of vitamin D. In a recent vlog, Kritika said, "When Zaid was 19 months old, we got the test done for the first time and at that time he was absolutely fine. But now the reports have shown that he has rickets. I don't know what to do. So many people make wrong comments, so all those things go to the mind. Your comments are very dirty." The first wife is in a bad state due to crying. Armaan's first wife Payal Malik is heartbroken after knowing about Kritika's son Zaid's illness. She cried a lot and blamed the trolls for this. Payal said in the vlog, "You can curse us a million times, we can take it upon ourselves. Punish the person who has done what, why are you imposing it on our children?" Payal Malik further said, "It is said that a curse can break even a stone, so this is absolutely true. Do not curse our children. If you like our children then love them. Curse us but not our children." It is known that Armaan Malik and his two wives have to face a lot of trolling on social media. In Bigg Boss OTT 3, Armaan was trolled for two marriages.